RAJYA SABHA

Wednesday, 25th February, 1959

The House met at eleven of the -•lock, MH. CHAIRMAN in the Chair.

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

दिल्ली में कुष्ठ के रोगियों के लिये व्यवस्था

*२९३. **श्री नवाब सिंह चौहान** : क्या स्वास्थ्य मंत्री २८ नवम्बर, १९५८ को राज्य सभा में अतारांकित प्रश्न संख्या ४३ के दिये गये उत्तर को देखेंगे और यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) दिल्ली के लगभग ५०० कुष्ठ के रोगियों में से, शाहदरा कैम्प के १४० रोगियों को छोड़ कर, २६० रोगियों के भोजन और निवास की क्या व्यवस्था है ;

(ख) क्या दक्षिण के अधिकांश रोगी रेल से आते हैं, यदि ऐसा है तो क्या वे इस यात्रा के लिये सम्बन्धित अधिकारियों की अनुमति प्राप्त करके आते हैं ;

(ग) शाहदरा कैम्प में कुष्ठ रोग की विशेष शिक्षा और दीक्षा प्राप्त स्टाफ कितना है और क्या डाक्टर रोज अस्पताल में घूमते हैं तथा क्या यहां रोज मरहम पट्टी की जाती है ; और

(घ) यहां दवाओं पर प्रति वर्ष कितना धन व्यय किया जाता है और क्या यहां नई से नई औषधियां रखी जाती हैं ?

*293. SHRI NAWAB SINGH CHAU-HAN: Will the Minister of HEALTH be jpleased to refer to the reply given to Unstarred Question No. 43 in the Rajya Sabha on the 28th November, 1958 and state:

(a the arrangements which exist for lodging and feeding the 260 leprosy patients out of about 500 patients ia Delhi, excluding the 140 patients in the Shahdara Camp;

whether the majority of patients from the South come by train; if so, whether they come after getting the permission of the authorities concerned for undertaking this journey;

the number of staff in the Shahdara Camp who have got special education and training in leprosy and whether the doctors make rounds of the hospital daily; and whether dressing is done there daily; and

the amount of money spent there on medicines annually; and whether the latest medicines are kept there?]

[ARRANGEMENTS FOR LEPROSY PATTSNTS IN DELHI

स्वास्थ्य मंत्री (श्री डी० पी० करमरकर) : (क) दिल्ली में कुष्ठ रोगियों की कुल संख्या तथा उनके निवास की व्यवस्था के बारे में कोई नियमित सर्वेक्षण नहीं किया गया ह । उनमें से अधिकांश कुष्ठ भिखारी हैं जो विभिन्न स्थानों में झुग्गियों तथा झोपड़ियों में रह रहे हैं ।

(ख) उनमें से अधिकांश सम्भवत: रेल द्वारा ही दक्षिण से आते हैं । ऐसे रोगियों द्वारा यात्रा की अनुमति लेने के बारे में कोई सूचना उपलब्ध नहीं है ।

(ग) नियुक्त किया गया स्टाफ अपने अपने पदों के अनुसार योग्यता प्राप्त हैं । मेडिकल अफसर प्रथम ग्रेड का सिविल असिस्टेंट सर्जन है और कुष्ठ सहित सभी रोगों के इलाज करने की पूरी योग्यता रखता है । किन्तु उसने कुष्ठ रोग की चिकित्सा में कोई विशेष कोर्स नहीं किया है । मेडिकल अफसर रोज कैम्प का निरीक्षण करता है तथा मरहम पट्टी जरूरत के मुताबिक रोजाना या हर दूसरे दिन की जाती है ।

(घ) कुष्ठ गृह को १९५८–५९ में २,००० रुपये की कीमत की दवाइयां दी गई हैं । आवश्यकता पड़ने पर, विशेष दवाइयां भी रोगियों को मुफ्त दी जाती हैं । दवाई का मुख्य भंडार शाहदरा अस्पताल में रखा गया है तथा औषधालय के लिये उचित इमारत न होने के कारण शाहदरा कैम्प में केवल एक छोटा सा भण्डार रखा गया है ।

f[THE MINISTER OF HEALTH (SHRI D. P. KARMARKAR) : (a) No regular survey has been conducted regarding the total number of leprosy-patients in Delhi and the arrangements regarding their living. Most of them are leper beggars living in *jhugies* and *jhopanes* at various places.

(b) Most of them probably come by train from the South. No information is available as regards permission taken by such patients for undertaking the journeys.

(c) The staff employed possess necessary qualifications required of them for the posts. The medical officer is a Civil Assistant Surgeon, Grade I, and is fully qualified to treat all diseases including leprosy. He has, however, not undergone any special course in leprosy. The Medical Officer visits the camp daily, and dressing is carried out daily or on alternate days as considered necessary.

(d) During the year 1958-59 medicines worth Rs. 2,000 have been supplied to the leprosy home. Special medicines, if required, are supplied free to the patients. The main stock of medicine is kept at Shahdara Hospital and only a small stock is kept at Shahdara Camp in the absence of proper building for dispensary there.]

श्री नवाबसिंह चौहान : क्या यह सच है कि दिल्ली के अन्दर लगभग पांच हजार के करीब लेप्रोसी पेशेंट्स हैं जो कि दिन भर भीख मांगते हैं और जो स्वस्थ आदमी हैं उनसे मिलते जुलते रहते हैं ? इस सम्बन्ध में पहले भी प्रश्न पूछा जा चुका है, लेकिन अभी तक कोई जांच पड़ताल क्यों नहीं की गई ?

श्री डी० पी० करमरकर : दिल्ली कार्पोरेशन और दिल्ली एडमिनिस्ट्रेशन इसके बारे में कोशिश करता है और मुझे दुख है कि अभी तक यह सवाल हल नहीं हुआ है ।

श्री नवाबसिंह चौहान : क्या यह सच है कि सुप्रोसी होम बनाने के लिये १७ लाख रुपया मंजूर हुआ था, लेकिन वह रुपया दूसरे कामों में लगा लिया गया ?

श्री डी० पी० करमरकर : नहीं जी, दूसरे कामों में नहीं लगाया गया । पहली जो स्कीम थी वह बहुत कास्टली थी । वे पक्की इमारत बनाना चाहते थे । उससे काम चलने वाला नहीं था, इसलिये वे दूसरी स्कीम बना रहे हैं ।

SHRIMATI AMMU SWAMINADHAN: Sir, it would help us if the hon. Minister will speak in English so that we may be able to follow the answer, and we from the south are all interested in this since the majority of patients are reported to have come from the south.

SHRIMATI T. NALLAMUTHU RAMAMURTI: Health is a subject in whicli the whole country is interested and it would help us if the hon. Minister will speak in English.

MR. CHAIRMAN: All right.

SHRI D. P. KARMARKAR: The fact of the matter is that there was a scheme fairly costly to put up a pucca building for housing these leprosy patients. On later consideration it was. considered that this was not advisable, and I think an alternative' scheme is under the consideration of the Delhi Administration.

†[ ]English translation.

SHRIMATI YASHODA REDDY: On a previous occasion answering a question on the floor of the House the hon. the Health Minister assured us that he would take care of the leprosy patients coming out of the camps and loitering in Connaught Circus and other busy places thus coming in close contact with the public. Has he taken any action, or has he just left it to the Delhi Corporation? Secondly I would like to know why he did not . . .

SHRI D. P. KARMARKAR: Let me answer the first question. All that we can do, when hon. Members ask questions like this, and do is that we draw the pointed attention of the authorities in whose purview this question comes. Now this question comes primarily within the purview of the Delhi Administration and the Municipal Corporation, and I think they are actively considering this point. Sir, the problem is assuming greater proportions because with a growing Delhi and with a larger number of donors who give doles to these beggars the number of beggars is increasing, and I am rather not very happy at the increasing number of beggars who are suffering from leprosy. Perhaps the Delhi Administration and the Delhi Municipal Corporation will do well, as they are doing in Bombay, to put the Beggars' Act into Operation, segregate the leprosy beggars and give them proper treatment. I am again reminding the Delhi Municipal Corporation and the Delhi Administration about this.

مولانا ایم - فاروقی : کیا آنریبل منسٹر یہ بتائیں گے کہ جو مریض اس سلسلہ میں شاہدرہ میں آپ کے اسپتال میں داخل ہیں ان کو باہر نکلنے کی اجازت دی جاتی ہے یا نہیں -

†[मौलाना एम० फारूकी : क्या आनरेबिल मिनिस्टर यह बतायेंगे कि जो मरीज इस सिलसिले में शाहदरा में आपके अस्पताल में दाखिल हैं उनको बाहर निकलने की इजाजत दी जाती है या नहीं ?]

श्री डी० पी० करमरकर : जी हां, दी जाती है । यही दिक्कत की चीज है । यही तकलीफ का कारण है ।

مولانا ایم - فاروقی : جب ان کا انتظام وہاں رہنے کا ہے تب ان کو باہر جانے دینے کے معنی یہ ہیں کہ آپ اس مرض کو عام طور سے پھیلاتے ہیں -

†[मौलाना एम० फारूकी : जब उनका इन्तजाम वहां रहने का है, तब उनको बाहर जाने की इजाजत देने के माने यह हैं कि आप इस मर्ज को आम तौर से फैलाते हैं ।]

श्री डी० पी० करमरकर : मौलाना साहब इस बारे में जानते हैं कि लेप्रोसी इतनी आसानी से नहीं फैलती है । वह लांग कांटेक्ट से फैलती है । फिर भी इसके बारे में योजना करनी है कि रोगी बाहर न आयें और जो यहां रहते हैं उनको सुविधा प्राप्त हो ।

SHRIMATI SAVITRY DEVI NIGAM: May I know, Sir, what is the average attendance of these patients at the Shahdara hospital?

SHRI D. P. KARMARKAR: Subject to correction, I think the total number of people who are in Shahdara— not in the hospital— who are in that camp, are round about 150. There were about 300 out of whom 150 came back to the city. One hundred and fifty remain there for some time and they are being treated.

SHRI M. D. TUMPALLIWAR: May I know, Sir, whether Government is proposing to bring forward legislation to prevent the leprosy beggars from

spreading the contagion by moving in the public?

SHRI D. P. KARMARKAR: The contagion is not so easily spread although it is as well to stop their coming in contact with the public. The contagion of leprosy is not so easy to spread on account of contacts as is the case with T.B. and other diseases. Only by long contact the infection can spread. But that is not the exact point. It is no use having such large number of beggars running into thousands floating round about Delhi.

श्री नवाबसिंह चौहान : क्या यह सच है कि जमुना बस्ती और करोलबाग में हजारों की तादाद में ये रह रहे हैं और इन लोगों ने १६ तारीख को लेप्रोसी बस्ती पर हमला कर दिया था जिसमें तीन हट्स जला दिये गये थे और लोगों को मारा पीटा गया था । अगर यह सच है, तो ऐसी घटनाओं को रोकने के लिये क्या किया गया ?

श्री डी० पी० करमरकर : जो हट्स जलाये गये हैं उनके बारे में आप सवाल होम मिनिस्ट्री से पूछ सकते हैं । माननीय सदस्य यह ठीक कह रहे हैं कि हमारी कम नसीबी से इनकी संख्या बढ़ती जा रही है ।

MR. CHAIRMAN: Next question. We have taken eight minutes on this one question.

DR. RAGHUBIR SINH: Even then the end has not come.

कुष्ठ के रोगियों को दिये जाने वाले राशन की किस्म और मात्रा

***२६४. श्री नवाबसिंह चौहान :** क्या स्वास्थ्य मंत्री यहब ताने की कृपा करेंगे कि :

(क) शाहदरा कुष्ठ-बस्ती के रोगियों को कितना व क्या-क्या राशन दिया जाता है, क्या इस राशन में भी कुछ कटौती की गई है, यदि हां, तो क्या व क्यों ;

(ख) अन्य राज्यों के कुष्ठ-गृहों में दिये जा रहे राशन के मुकाबले में यह राशन कैसा है व इसके पकाने का क्या इन्तजाम है;

(ग) क्या इन रोगियों को चारपाई, कम्बल, चद्दरें तथा सर्दी और गर्मी में पहनने के अन्य कपड़े भी दिये जाते हैं, यदि नहीं, तो क्यों नहीं ; और

(ग) क्या कुछ रोगी यहां स्वस्थ बच्चों व वयस्कों के साथ रहने दिये जाते हैं, यदि हां, तो क्यों ?

t [QUANTITY AND KIND or RATION SUPPLIED TO LEPROSY PATIENTS

*294. SHRI NAWAB SINGH CHAU-HAN: Will the Minister of HEALTH be pleased to state:

(a) the quantity and the kind *at* ration supplied to the patients in the Shahdara Leprosy Colony; whether any reduction has been effected in this ration also; if so, what and why;

(b) how this ration compares with, the ration which is being supplied i« the leprosy homes in other States; and what arrangements are there foe cooking it;

(c) whether these patients ar« supplied with cots, blankets, cottc* sheets and other clothes worn ut winter and summer; if not, why not; and

(d) whether some patients ar« allowed to live there with healthr children and adults; if so, why?]

स्वास्थ्य मंत्री (श्री डी० पी० करमरकर) : (क) से (घ). एक विवरण सभा की मेज पर रख दिया गया है ।

†[ ] English translation